

借
兰室秘藏

金·李杲 原著
刘更生 獵守虎 点校

实用中医古籍丛书

K2492
12-2

三室秘藏

金·李杲 原著 刘更生 殷守虎 点校

实用中医古籍丛书 ● 实用中医古籍丛书

图书在版编目(CIP)数据

兰室秘藏/(金)李杲著; 刘更生, 藏守虎点校.

天津: 天津科学技术出版社, 2000.8

(实用中医古籍丛书)

ISBN 7-5308-2865-7

I. 兰… II. ①李… ②刘… ③藏… III. ①医论·
中国·金代②验方·中国·金代 IV.R 2—53

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2000)第 62151 号

责任编辑: 于伯海

版式设计: 雉桂芬

责任印制: 王莹

天津科学技术出版社出版

出版人: 王树泽

天津市张自忠路189号 邮编 300020 电话(022)27306314

河北省雄县胶印厂印刷

新华书店天津发行所发行

*

开本 787×1092 1/32 印张 4.25 插页 2 字数 79 000

2000 年 8 月第 1 版

2000 年 8 月第 1 次印刷

印数: 1~4 000

定价: 9.00 元

内 容 提 要

《兰室秘藏》3卷，金·李杲撰。李杲字明之，晚号东垣老人，为金元四大医家之一，其学术思想被后世医家概括为“补土派”。

本书分为21门，载医论21篇，列方280余首，内容涉及内、外、妇、儿、五官等临床各科。医论集中体现了东垣“土为万物之母，脾胃为生化之源”的理论，认为多种病证的发生均与内伤脾胃有关，强调治疗应以脾胃为本。所列诸方，如补中益气汤、清暑益气汤、升阳益胃汤等，法度谨严，匠心独运，均为后世常用的名方。本书充分反映了东垣学说在临床各科的经验与成就，是一部临证实用的综合性医著，对于学习研究东垣的学术思想与临证经验，具有较高参考价值。

点 校 说 明

《兰室秘藏》，金·李杲撰。李杲，字明之，晚号东垣老人，为金元四大医家之一。其学术以《内经》为宗，以仲景为遵，开创了内伤脾胃学说之先河，被后世奉为补土派宗师。一生勤于临床，善于著述，著作存世者有《内外伤辨惑论》、《脾胃论》、《兰室秘藏》、《医学发明》、《东垣试效方》等数种。

《兰室秘藏》分上、中、下3卷，计21门，内容包括内、外、妇、儿、五官等临床各科常见病证治，是一部临证实用的综合性医著。书中载医论21篇，集中体现了东垣“土为万物之母，脾胃为生化之源”的理论。全书列方280余首，除少数古方外，均为东垣所创的有效方剂。如补中益气汤、清暑益气汤、升阳益胃汤等，均为后世常用的名方。这些方剂虽药味多而用量少，但却法度谨严，匠心独运，多为其临证之经验总结。《四库全书总目提要》云：“此书所载自制诸方，动至一二十味，而君臣佐使，相制相用，条理井然。”评论可谓公允。

本书取《素问·灵兰秘典论》“藏之灵兰之室”一语而名，表示所撰方论极为珍贵之意。该书初刊于元至元十三年（1726），其后曾广为流传。现存主要版本有元、明、清数种刊本及抄本，并见于《济生拔萃》、《东垣十书》、《古今医统正脉全书》、《四库全书》、《丛书集成初编》等丛书中。

现将此次整理的有关问题说明如下：

一、以明·吴勉学刻《古今医统正脉全书》本为底本，以上海函芬楼影印元延祐二年（1315）刻《济生拔萃》本、明嘉靖梅

南书屋刻《东垣十书》本、日本万治元年(1658)武村市兵卫翻刻杨懋卿《东垣十书》本、《四库全书》本、《丛书集成》本为校本。并以《素问》、《东垣试效方》等为他校本。

二、校注采用简体横排形式，并加新式标点，对底本内容不加增删。

三、繁体字、古今字、俗字以及因刊刻所致的明显误字径改为规范简化字；药名、病证名等以现通行写法适当规范，如“黄蘖”径改作“黄柏”、“斑猫”径改作“斑蝥”、“努肉”径改作“胬肉”，均不出校记，余者凡有改动均出校记说明。

四、因书改横排，原方用法中的方位词“右”，今径改作“上”。

五、底本各卷卷目下有“江阴朱氏校刊本、金真定李杲撰”字样，今并删。

兰室秘藏序^①

《兰室秘藏》六卷，吾师李东垣先生所辑也。不肖^②读之而曰：至矣哉！吾师之学术贯天人，洞微奥也。其论饮食劳倦，人所日用而不知者，故首及之。次中满腹胀，胃脘酒渴。至于眼、耳、鼻、舌、齿、喉、血分腰痛、大小便、痔瘻、泻痢、疮疡、妇儿科，皆穷其旨要。而论脉法尤详悉而切当，言病证变换万状皆形见于脉，按其弦长、滞缩、清浊，伸引无尽。吾师尝云：至微者，理也；至著者，象也。体用一源，显微无间，得其理则象可得而推矣。是吾师有不言，言辄应，与是编相符合，非口所辩说，纸上陈言，不能施用者欤。然而人之欲自颐真精，顺时却病，与医家溯流穷源，不拘执古方而收功者，舍是奚观焉。夫吾师合生气之和，道五常之性，使疾疢不作而无妖祲短折，起死扶伤，令六合咸宁，万世攸赖，非古圣王享嘉^③之致治乎！圣王之世，即喙息蠕动之细，莫不稟仰太和，沐浴玄泽^④。若吾师殚厥心思以较讎是编，濯痕煦寒，如《洪范》所谓：身其康强，子孙逢吉，曰寿、曰康宁、曰考终者，是编之效也。吾师弗自私藏，以公诸人，不止一身行之，欲人人行之，又欲天下万世行之；不止一方蒙泽，欲举世蒙泽，又欲千世亿世蒙泽也。吾师嘉鱼^⑤无穷者，吾师心思之所流而精神之所聚

① 此序原无，据日刻本《东垣十书》补。

② 不肖：古时自称的谦词。

③ 享嘉：犹享会、嘉会，意为汇聚众美。

④ 玄泽：圣泽、圣恩。

⑤ 嘉鱼：犹嘉惠。

也。不肖何敢序，但忝^①衣钵之传，若太史公云：岩穴之人，欲砥行立名，非附青云之士，恶能声施后世，则序之之鄙意云尔。

至元丙子三月上巳门人罗天益百拜书

① 忝：谦词，表示有辱他人。

目 录

| | |
|---------------|--------|
| 卷上 | (1) |
| 饮食劳倦门 | (1) |
| 饮食所伤论 | (1) |
| 劳倦所伤论 | (2) |
| 调中益气汤 | (2) |
| 宽中喜食无厌丸 | (4) |
| 交泰丸 | (4) |
| 木香人参加术丸 | (5) |
| 木香三姜枳术丸 | (5) |
| 扶脾丸 | (5) |
| 和中丸 | (6) |
| 槟榔丸 | (6) |
| 消积滞集香丸 | (6) |
| 黄芪汤 | (6) |
| 黄芪当归汤 | (6) |
| 参术汤 | (7) |
| 益智和中丸 | (7) |
| 益胃散 | (7) |
| 脾胃虚损论 | (7) |
| 三黄枳术丸 | (11) |
| 巴豆三棱丸 | (11) |
| 白术丸 | (11) |
| 草豆蔻丸 | (11) |
| 中满腹胀门 | (12) |

| | |
|------------|------|
| 中满腹胀论 | (12) |
| 诸腹胀大皆属于热论① | (12) |
| 中满分消丸 | (13) |
| 中满分② 消汤 | (14) |
| 广茂溃坚汤 | (14) |
| 半夏厚朴汤 | (14) |
| 破滞气汤 | (15) |
| 草豆蔻汤 | (15) |
| 心腹痞门 | (15) |
| 消痞丸 | (15) |
| 失笑丸 | (16) |
| 黄连消痞丸 | (16) |
| 消痞汤 | (16) |
| 葶苈丸 | (17) |
| 胃脘痛门 | (17) |
| 草豆蔻丸 | (17) |
| 神圣复气汤 | (18) |
| 麻黄豆蔻丸③ | (19) |
| 酒客病论 | (19) |
| 葛花解醒汤 | (20) |
| 枳术丸 | (20) |
| 半夏枳术丸 | (20) |
| 橘皮枳术丸 | (20) |
| 除湿益气丸 | (20) |
| 除湿散 | (21) |

① 于热论：原缺，据正文标题补。

② 中满分：原缺，据正文方名补。

③ 丸：原作“汤”，据正文方名改。

| | |
|----------|------|
| 升麻黄连丸 | (21) |
| 上二黄丸 | (21) |
| 瓜蒂散 | (22) |
| 消渴门 | (23) |
| 消渴论 | (23) |
| 和血益气汤 | (24) |
| 当归润燥汤 | (24) |
| 生津甘露汤 | (25) |
| 辛润缓肌汤 | (25) |
| 甘草石膏汤 | (25) |
| 甘露膏 | (26) |
| 生津甘露饮子 | (26) |
| 眼耳鼻门 | (27) |
| 诸脉者皆属于目论 | (27) |
| 内障眼论 | (28) |
| 芎辛汤 | (28) |
| 碧天丸 | (29) |
| 广大重明汤 | (29) |
| 百点膏 | (29) |
| 选奇汤 | (30) |
| 神效明目汤 | (30) |
| 羌活退翳①膏 | (30) |
| 明目细辛汤 | (30) |
| 复明散 | (31) |
| 助阳和血汤 | (31) |
| 吹云膏 | (31) |

① 翳：原作“医”，据正文方名改。

| | |
|---------|------|
| 防风饮子 | (32) |
| 拨云汤 | (32) |
| 神效黄芪汤 | (32) |
| 圆明内障升麻汤 | (33) |
| 黄芩黄连汤 | (33) |
| 蔓荆子汤 | (33) |
| 归葵汤 | (34) |
| 救苦汤 | (34) |
| 熟干地黄丸 | (34) |
| 益阴肾气丸 | (35) |
| 羌活退翳丸 | (35) |
| 当归龙胆汤 | (35) |
| 补阳汤 | (36) |
| 泻阴火丸 | (36) |
| 升阳柴胡汤 | (37) |
| 温卫汤 | (37) |
| 圆明膏 | (37) |
| 噙药麻黄散① | (37) |
| 疗本滋肾丸 | (38) |
| 加味滋肾丸 | (38) |
| 退翳膏 | (38) |
| 龙胆饮子 | (38) |
| 柴胡聪耳汤 | (38) |
| 羌活退翳汤 | (39) |
| 还睛紫金丹 | (39) |
| 丽泽通气汤 | (40) |

① 散：原作“汤”，据正文方名改。

| | |
|--------------|-------------|
| 温肺汤 | (40) |
| 御寒汤 | (40) |
| 卷中 | (41) |
| 头痛门 | (41) |
| 头痛论 | (41) |
| 清空膏 | (42) |
| 彻清膏 | (42) |
| 川芎散 | (43) |
| 白芷散 | (43) |
| 碧云散 | (43) |
| 羌活清空膏 | (43) |
| 清上泻火汤 | (43) |
| 补气汤 | (44) |
| 细辛散 | (44) |
| 羌活汤 | (44) |
| 养神汤 | (44) |
| 安神汤 | (45) |
| 半夏白术天麻汤 | (45) |
| 口齿咽喉门 | (46) |
| 口齿论 | (46) |
| 羌活散 | (46) |
| 草豆蔻散 | (47) |
| 麻黄散 | (47) |
| 麝香散① | (47) |
| 治虫散 | (47) |
| 益智木律散 | (48) |

① 麝香散：正文方名作“热牙散，一名麝香散”。

| | |
|--------|------|
| 蝎梢散 | (48) |
| 白牙散 | (48) |
| 刷牙药 | (48) |
| 独圣散 | (48) |
| 当归龙胆散 | (49) |
| 牢牙地黄散 | (49) |
| 细辛散 | (49) |
| 立效散 | (49) |
| 牢牙散 | (50) |
| 清胃散 | (50) |
| 神功丸 | (50) |
| 桔梗汤又方 | (51) |
| 神验法 | (51) |
| 呕吐门 | (52) |
| 丁香茱萸汤 | (52) |
| 白术汤 | (52) |
| 补肝①汤 | (52) |
| 吴茱萸丸 | (53) |
| 衄血吐血门 | (53) |
| 麦门冬饮子 | (53) |
| 人参饮子 | (53) |
| 三黄补血汤 | (54) |
| 救脉汤 | (54) |
| 麻黄桂枝汤 | (54) |
| 黄芪芍药汤② | (55) |
| 止衄血法 | (55) |

① 肝：原作“牙”，据正文方名改。

② 麻黄桂枝汤、黄芪芍药汤：此二方原列人参饮子后，今据正文次序调整。

| | | |
|-----------|-------|------|
| 腰痛门 | | (55) |
| 川羌肉桂汤 | | (55) |
| 独活汤 | | (56) |
| 破血散疼汤 | | (56) |
| 地龙散 | | (56) |
| 苍术汤 | | (56) |
| 麻黄复煎散 | | (57) |
| 缓筋汤 | | (57) |
| 拈痛汤 | | (57) |
| 苍术复煎散 | | (58) |
| 羌活苍术汤 | | (58) |
| 妇人门 | | (58) |
| 经闭不行有三论 | | (58) |
| 经漏不止有三论 | | (59) |
| 升阳除湿汤 | | (60) |
| 凉血地黄汤 | | (60) |
| 酒煮当归丸 | | (61) |
| 固真丸 | | (62) |
| 乌药汤 | | (62) |
| 助阳汤 | | (63) |
| 水府丹 | | (63) |
| 丁香胶艾汤 | | (63) |
| 黄芪当归人参汤 | | (64) |
| 当归芍药汤 | | (64) |
| 柴胡调经汤 | | (65) |
| 益胃升阳汤 | | (66) |
| 升阳举经汤 | | (66) |
| 半产误用寒凉之药论 | | (67) |

| | |
|---------|------|
| 全生活血汤 | (67) |
| 当归附子汤 | (68) |
| 调经补真汤 | (68) |
| 坐药龙盐膏 | (68) |
| 胜阴丹 | (68) |
| 回阳丹 | (69) |
| 柴胡丁香汤 | (69) |
| 延胡苦棟湯 | (69) |
| 桂附湯 | (69) |
| 人参补氣湯 | (70) |
| 黃芪白朮湯 | (70) |
| 白朮茯苓湯① | (70) |
| 增味四物湯 | (71) |
| 補經固②真湯 | (71) |
| 溫衛補血湯 | (71) |
| 立效散 | (72) |
| 四聖散 | (72) |
| 溫經除濕湯 | (72) |
| 補氣升陽和中湯 | (73) |
| 麻黃桂枝升麻湯 | (74) |
| 卷下 | (75) |
| 大便結燥門 | (75) |
| 大便結燥論 | (75) |
| 通幽湯 | (75) |
| 潤燥湯 | (76) |
| 潤腸丸 | (76) |

① 汤：原作“丸”，据正文方名改。

② 固：原作“同”，据正文方名改。

| | |
|----------|------|
| 麻黄白术汤 | (77) |
| 升阳汤 | (77) |
| 活血润燥丸 | (78) |
| 润肠汤 | (78) |
| 小便淋闭门 | (78) |
| 小便淋闭论 | (78) |
| 通关丸 | (79) |
| 清肺饮子 | (80) |
| 导气除燥汤 | (80) |
| 肾疽汤 | (80) |
| 痔漏门 | (81) |
| 痔漏论 | (81) |
| 秦艽白术丸 | (81) |
| 秦艽苍术汤 | (82) |
| 七圣丸 | (82) |
| 秦艽防风汤 | (83) |
| 秦艽羌活汤 | (83) |
| 当归郁李汤① | (83) |
| 红花桃仁汤 | (83) |
| 秦艽当归汤 | (84) |
| 阴痿阴汗门 | (84) |
| 阴痿阴汗及臊臭论 | (84) |
| 龙胆泻肝汤 | (84) |
| 清震汤 | (85) |
| 固真汤 | (85) |

① 当归郁李汤：正文方名作“当归郁李仁汤”。